पाठ्यक्रम

(Syllabus)

एम. ए. समाजशास्त्र

सत्र 2021-2022

यूजीसी द्वारा अधिमान्य LOCF (learning Outcomes-based Curriculum Framework) पर आधारित

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार :

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विभाग की कार्य-योजना :

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग की विस्तृत कार्य-योजना :

शीर्षक	कार्य-योजनाएँ
शिक्षण	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना। ✓ सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना। ✓ ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
प्रशिक्षण (यदि कोई है)	• हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना। • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना। • उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना। • अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना। • सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन। • विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन। • छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन। • वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

शोध	• सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्र। • भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ अंतरविषयी दृष्टिकोण।
	पी-एच.डी. कार्यक्रम : X
	शोध-परियोजना : X
ज्ञान-वितरण के माध्यम	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है)	X

पाठ्यक्रम-विवरण

विभाग/केंद्र का नाम : समाजशास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. समाजशास्त्र

पाठ्यक्रम कोड : एमएएस

अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों का अध्ययन तथा समझ विकसित होगा। • सामाजिक व्यवस्था एवं समाज के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों से परिचय होगा। • सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान की सैद्धांतिकी समझ विकसित होगा।	• विकसित सैद्धांतिक दृष्टि एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा।	• शिक्षण एवं शोध में अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • समाजशास्त्री के रूप में अवसर। • सिविल एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अंतरराष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर।

पाठ्यक्रम संरचना :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 03 अथवा 04 x 01 एवं 02 x 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 03 अथवा 04 x 01 एवं 02 x 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 04 अथवा 04 x 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 x 03 अथवा 04 x 01 एवं 02 x 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

यह पाठ्यक्रम ऐसे सक्षम और योग्य समाज के निर्माण को समर्पित है जो समाजशास्त्र में ज्ञान की दृष्टि और अनुप्रयोग के श्रेष्ठ मानक स्थापित करें और सामाजिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखें तथा अंतरानुशासनिक दृष्टि से युक्त हों। अतएव, इस पाठ्यक्रम के निम्न मुख्य उद्देश्य इस प्रकार बनाए गए हैं:

- समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास।
- सृजनात्मक व नैतिक दृष्टि का विकास, जिसमें संप्रत्यय, शोध की मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों विधियों से ज्ञान का विस्तार हो सके, जिससे अकादमी और समाज के बीच अंतरसंबंध स्थापित हो सके।
- व्यक्ति और समाज के स्तर पर समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे परिवर्तन को समावेशी दृष्टि से आगे बढ़ाना।
- विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य का विकास करना।
- ज्ञान प्राप्ति की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों और अनुप्रयोगों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों की समाजशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार करना।

अवधि : दो वर्ष (चार सेमेस्टर) 90 क्रेडिट

योग्यता : किसी भी अनुशासन अथवा विषय में न्यूनतम 50% (SC/ST/**OBC(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंको के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन के विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।

प्रवेश-प्रक्रिया: विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यसंरचना

प्रथम सेमेस्टर				द्वितीय सेमेस्टर			
कोर्स कोड	**विषय/प्रश्न-पत्र**	**मूल/ ऐच्छिक**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**मूल/ ऐच्छिक**	**क्रेडिट**
एमएएस-01	समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	मूल	4	एमएएस-05	समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4
एमएएस-02	समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	एमएएस-06	भारतीय समाज	मूल	4
एमएएस-03	समाजशास्त्र की अवधारणाएँ	मूल	4	एमएएस-07	शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय	मूल	4
एमएएस-04	सामाजिक मानवविज्ञान	मूल	4	एमएएस-08	समाज मनोविज्ञान	मूल	4
एमएएसई-01	ग्रामीण समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	एमएएसई-03	नगरीय समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4
एमएएसई-02	धार्मिक संगठन	ऐच्छिक	2	एमएएसई-04	भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक	ऐच्छिक	2
कुल क्रेडिट			**22**	**कुल क्रेडिट**			**22**

तृतीय सेमेस्टर				चतुर्थ सेमेस्टर			
कोर्स कोड	**विषय**	**मूल/ ऐच्छिक**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**मूल/ ऐच्छिक**	**क्रेडिट**
एमएएस-09	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	एमएएस-13	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4
एमएएस-10	भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	मूल	4	एमएएस-14	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	मूल	4
एमएएस-11	समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ	मूल	4	एमएएस-15	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत	मूल	4
एमएएस-12	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	मूल	4	एमएएस-16	लघु शोध प्रबंध	मूल	4
एमएएसई-05	औद्योगिक समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	एमएएसई-07	सामाजिक जनसांख्यिकी	ऐच्छिक	4
एमएएसई-06	पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना	ऐच्छिक	4	एमएएसई-08	आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन	ऐच्छिक	2
कुल क्रेडिट			**24**	**कुल क्रेडिट**			**22**

नोट: ऐच्छिक पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में से विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार पाठ्यचर्या का चयन कर सकेंगे।

- विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से 18 क्रेडिट तक ऐच्छिक पाठ्यचर्या के चयन करने की सुविधा होगी।

एम.ए. समाजशास्त्र (चार सेमेस्टर, कुल – 90 क्रेडिट)

पाठ्यचर्या संरचना : मूल पाठ्यचर्या - 64 क्रेडिट
: ऐच्छिक पाठ्यचर्या - 26 क्रेडिट

पाठ्यचर्या का स्वरूप	प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर	कुल क्रेडिट
मूल/अनिवार्य	16 क्रेडिट	16 क्रेडिट	16 क्रेडिट	16 क्रेडिट	**64 क्रेडिट**
ऐच्छिक	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	08 क्रेडिट	06 क्रेडिट	**26 क्रेडिट**
कुल क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**24 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी

- एम.ए. समाजशास्त्र पाठ्यक्रम कुल 90 क्रेडिट का होगा एवं इसकी अवधि चार सेमेस्टर (दो वर्ष) की होगी।
- कुल 90 क्रेडिट के विषयपत्रों में से 64 क्रेडिट के विषयपत्र (Courses) समाजशास्त्र विभाग द्वारा पढ़ाए जाएँगे तथा शेष 26 क्रेडिट (अनिवार्य तथा ऐच्छिक) विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा पढ़ाए जाएँगे जिन्हें छात्र अपनी रूचि के अनुसार चुन सकेंगे।
- 4 एवं 2 क्रेडिट का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा जिसमें 75 अंक लिखित परीक्षा के लिये होंगे और 25 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जो कक्षा में भागीदारी, सेमीनार, समूह कार्य, समीक्षा आदि पर निर्भर होगा।
- लघु शोध प्रबंध कुल 100 अंक का होगा। आंतरिक मूल्यांकन 25 अंक का एवं सत्रांत मूल्यांकन 75 अंक का होगा।
- एम.ए. में कराये जाने वाले लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन वाह्य निरीक्षक के द्वारा कराया जायेगा।
- प्रत्येक छमाही में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार विवेचना

प्रथम सेमेस्टेर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-01	समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	मूल	4	39	14	07	60
एमएएस-02	समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	38	16	06	60
एमएएस-03	समाजशास्त्र की अवधारणाएँ	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-04	सामाजिक मानवविज्ञान	मूल	4	40	16	04	60
एमएएसई-01	ग्रामीण समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	40	16	04	60
एमएएसई-02	धार्मिक संगठन	ऐच्छिक	2	21	05	04	30

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 01	**समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास**	**4**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 01. समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

इकाई 1: यूरोप में समाजशास्त्र के उद्भव की पृष्ठभूमि एवं सामाजिक परिस्थितियाँ : प्रबोधन युग, वाणिज्यिक क्रांति, वैज्ञानिक क्रांति, पुनर्जागरण, फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति और एक विषय के रूप में समाजशास्त्र

इकाई 2: यूरोप में समाजशास्त्र के संस्थापक : ऑगस्ट कॉम्ट, हर्बर्ट स्पेन्सर, जॉर्ज जिमेल, विल्फ्रेडो परेटो एवं थोर्स्टीन वेब्लेन

इकाई 3: भारत मे समाजशास्त्र के उद्भव की पृष्ठभूमि : भारतीय समाजशास्त्र एवं सामाजिक विचारों का ऐतिहासिक आधार व विरासत, धार्मिक-राजनैतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि, औपनिवेशिक आगमन का काल, भारतशास्त्र एवं समाजशास्त्र

इकाई 4: भारत मे समाजशास्त्र का उद्भव : स्वातंत्रयोत्तर भारत में समाजशास्त्र, तत्कालीन प्रमुख शोध प्रवृत्तियाँ, सिद्धांत और विधियाँ

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजशास्त्र के उदय से पूर्व की सामाजिक परिस्थितियों को जानेंगे जो एक विषय के रूप में समाजशास्त्र के उदय का आधार बनीं।
- विद्यार्थी यूरोप में समाजशास्त्र विषय के संस्थापक पहली पीढ़ी के समाजशास्त्रियों के जीवन, विचार और योगदान को जानेंगे।
- विद्यार्थी भारत में समाजशास्त्र एक विषय के रूप में स्थापित होने से पूर्व की सामाजिक चिंतन और विचार परंपरा के साथ अन्य आधारों को भी जानेंगे।
- विद्यार्थी स्वातंत्रयोत्तर भारत में समाजशास्त्र की प्रवृत्तियों को जानेंगे।
- यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के इतिहास से परिचित कराएगी।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. प्रबोधन युग 2. वाणिज्यिक क्रांति 3. वैज्ञानिक क्रांति 4. पुनर्जागरण 5. फ्रांसीसी क्रांति 6. औद्योगिक क्रांति और एक विषय के रूप में समाजशास्त्र	11	03	02	16	26.66 %
मॉड्यूल 2	1. ऑगस्ट कॉम्ट 2. हर्बर्ट स्पेन्सर 3. जॉर्ज जिमेल 4. विल्फ्रेडो परेटो 5. थोर्स्टीन वेब्लेन	14	05	02	21	35.00 %
मॉड्यूल 3	1. भारतीय समाजशास्त्र एवं सामाजिक विचारों का ऐतिहासिक आधार व विरासत 2. धार्मिक-राजनैतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि 3. औपनिवेशिक आगमन का काल 4. भारतशास्त्र एवं समाजशास्त्र	08	04	02	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	1. स्वातंत्रयोत्तर भारत में समाजशास्त्र 2. तत्कालीन प्रमुख शोध प्रवृत्तियाँ, सिद्धांत और विधियाँ	06	02	01	09	15.00 %
योग		**39**	**14**	**07**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago : The University of Chicago Press.
- Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur : Rawat Pbc.
- Morrison, K. (1995). *Marx, Durkheim, Weber : Formation of modern social thought.* London: Sage Pbc.
- Coser, L. A. (1979). *Masters of sociological thought.* New York : Harcourt Brace Jovanovich.
- Morrison, K. (1995). *Marx, Durkheim, Weber : Formation of modern social thought.* London :Sage Pbc.
- Ritzer, G. (1996). *Sociological theory.* New Delhi : Tata-McGraw Hill.
- Singh, Y. (1986). *Indian sociology : Social conditioning and emerging trends.* New Delhi : Vistaar.
- Zeitlin, I. (1998). *Rethinking sociology : A critique of contemporary theory.* Jaipur : Rawat.
- गुप्ता, पार्थसारथी. (1987). *यूरोप का इतिहास*. हरियाणा ग्रंथ अकादमी: चंडीगढ़.
- चौहान, आई.एस. (1989). *समाजशास्त्र की रूपरेखा*. हिंदी ग्रंथ अकादमी: भोपाल.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 02	**समाजशास्त्रीय विचारक (I)**	**4**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	38
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 02. समाजशास्त्रीय विचारक (I)

इकाई 1: अगस्त कॉम्ट : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, तीन स्तरों का नियम, प्रत्यक्षवाद, सामाजिक पुनर्निर्माण का सिद्धांत एवं विज्ञानों का संस्तरण

इकाई 2: हर्बर्ट स्पेंसर : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, समाज एक सावयव के रूप में, सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत

इकाई 3: इमाइल दुर्खीम : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, सामाजिक तथ्य, समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम, सामाजिक एकात्मकता का सिद्धांत, सामूहिक प्रतिनिधान की संकल्पना, आत्महत्या एवं श्रम विभाजन का सिद्धांत तथा तुलनात्मक अध्ययन पद्धति

इकाई 4: मैक्स बेबर : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, सामाजिक क्रिया का सिद्धांत, आदर्श प्रारूप, धर्म तथा पूंजीवाद का सिद्धांत, शक्ति एवं सत्ता तथा तार्किक दृष्टिकोण

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी आगस्त काम्ट के जीवन, विचार और योगदान से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी हर्बर्ट स्पेंसर के जीवन, कृतित्त्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी इमाइल दुर्खीम के जीवन, कृतित्त्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी मैक्स वेबर के जीवन, कृतित्त्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	अगस्त कॉम्ट : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. तीन स्तरों का नियम 3. प्रत्यक्षवाद 4. सामाजिक पुनर्निर्माण का सिद्धांत 5. विज्ञानों का संस्तरण	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	हर्बर्ट स्पेंसर : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. समाज एक सावयव के रूप में 3. सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत	06	02	01	09	15.00 %
मॉड्यूल 3	इमाइल दुर्खीम : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. सामाजिक तथ्य 3. समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम 4. सामाजिक एकात्मकता का सिद्धांत 5. सामूहिक प्रतिनिधान की संकल्पना 6. आत्महत्या 7. श्रम विभाजन का सिद्धांत 8. तुलनात्मक अध्ययन पद्धति	13	05	02	20	33.33 %
मॉड्यूल 4	मैक्स बेबर : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. सामाजिक क्रिया का सिद्धांत 3. आदर्श प्रारूप 4. धर्म तथा पूंजीवाद का सिद्धांत 5. शक्ति एवं सत्ता 6. तार्किक दृष्टिकोण	11	05	02	18	30.00 %
योग		**38**	**16**	**06**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्रीय विचारक (I) पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan.
- Aron, Raymond. (1965&1967). *Main currents in sociological thought. Vol.I&II*: Penguin.
- Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.
- Coser, Lewis. (1996). *Masters of Sociological thought*. Delhi : Rawat Publications.

- Giddens, Anthony. (1997). *Capitalism and Modern Social Theory: An analyses of writings of Marx, Durkheim and Weber.* Cambridge : University Press.
- Ritzer, George. (1992). *Sociological theory*. New York : McGraw Hill.
- Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.
- Giddens, A. (1970). *Capitalism and Modern Social Theory : An analysis of Writings of Marx, Durkheim and Weber.* England : Cambridge University Press.
- Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan. .
- Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.
- Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.
- जैन, सी. पी. एवं दोषी, एल. एस. (2017). *मैक्स वेबर, कार्ल मार्क्स एवं इमाइल दुर्खीम: समाजशास्त्रीय अध्ययन.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- अहूजा, राम. एवं अहूजा, मुकेश. (2008). *समाजशास्त्र: विवेचना एवं परिप्रेक्ष्य.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 03	**समाजशास्त्र की अवधारणाएँ**	**4**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 03. समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

इकाई 1: समाजशास्त्र का परिचय : परिभाषा, क्षेत्र, विषय-वस्तु, महत्त्व, अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, परिप्रेक्ष्य, पद्धतियाँ एवं शाखाएँ

इकाई 2: मूल अवधारणाएँ : समाज एवं उसके प्रकार, समुदाय एवं उसके प्रकार, समिति एवं संस्था, सामाजिक समूह, सामाजिक संरचना, प्रस्थिति एवं भूमिका, आदर्श मूल्य एवं सामाजिक प्रतिमान

इकाई 3: सामाजिक प्रक्रियाएँ : सहयोगी एवं असहयोगी सामाजिक प्रक्रियाएँ, सामाजीकरण तथा सामाजिक परिवर्तन एवं गतिशीलता

इकाई 4: संस्कृति एवं सभ्यता: अवधारणा, परिभाषा एवं प्रकार, संस्कृति के तत्त्व, संकुल एवं प्रतिमान, संस्कृति एवं सभ्यता में अंतर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजशास्त्र के अर्थ, क्षेत्र, विषयवस्तु, परिप्रेक्ष्यों व अन्य सामाजिक विज्ञानों से समाजशास्त्र के संबंध को जानेंगे।
- विद्यार्थी समाजशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक प्रक्रियाओं और उसके स्वरूपों को जानेंगे।
- विद्यार्थी संस्कृति और सभ्यता के उपागमों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	समाजशास्त्र का परिचय : 1. परिभाषा, क्षेत्र, विषय-वस्तु एवं महत्त्व 2. अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध 3. परिप्रेक्ष्य, पद्धतियाँ एवं शाखाएँ	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	मूल अवधारणाएँ : 1. समाज एवं उसके प्रकार 2. समुदाय एवं उसके प्रकार 3. समिति एवं संस्था 4. सामाजिक समूह 5. सामाजिक संरचना 6. प्रस्थिति एवं भूमिका 7. आदर्श मूल्य एवं सामाजिक प्रतिमान	13	07	01	21	35.00 %
मॉड्यूल 3	सामाजिक प्रक्रियाएँ : 1. सहयोगी एवं असहयोगी सामाजिक प्रक्रियाएँ 2. सामाजीकरण 3. सामाजिक परिवर्तन एवं गतिशीलता	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	संस्कृति एवं सभ्यता : 1. अवधारणा, परिभाषा एवं प्रकार 2. संस्कृति के तत्त्व, संकुल एवं प्रतिमान 3. संस्कृति एवं सभ्यता में अंतर	09	03	01	13	21.66 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्र की अवधारणाएँ पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dube, L. (1997). *Women and Kinship : Comparative Perspectives on Gender in South and South East Asia.* New Delhi : Sage Publications.
- Fox, R. (1967). *Kinship and Marriage : An Anthropological Perspective.* Harmondsworth : Penguine Pbc.
- Keesing, R. M. (1975). *Kin Groups and Social Structure.* New York : Holt Rinehart and Winston.

- Radcliff Brown, A. R., & Daryll F. (Ed.). (1950). *African Systems of Kinship and Marriage.* London : Oxford University Press.
- Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.
- Uberoi, Patricia. 1993. Family, Kinship and Marriage in India. New Delhi, Oxford University Press.
- Uberoi, P. (1993). *Family, Kinship and Marriage in India.* New Delhi : Oxford University Press.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2006). *उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोश.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

- Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.
- Uberoi, Patricia. 1993. Family, Kinship and Marriage in India. New Delhi, Oxford University Press.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 04	**सामाजिक मानवविज्ञान**	**4**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 04. सामाजिक मानवविज्ञान

इकाई 1: सामाजिक मानवशास्त्र : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषय-वस्तु

इकाई 2: संस्कृति एवं परिवार : परिभाषा अर्थ एवं प्रकार, परिवार के उत्पत्ति एवं संस्कृति के सिद्धांत

इकाई 3: आदिम समाज : धर्म, जादू, विज्ञान एवं टोटम, वंश गोत्र एवं भ्रातदल, युवागृह

इकाई 4: आदिम समाज में विवाह : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं सिद्धांत, जनजातीय समस्याएँ एवं सरकारी योजनाएँ

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक मानवविज्ञान का आधार परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी संस्कृति और परिवार के अर्थ एवं सिद्धांतों को जानेंगे।
- विद्यार्थी आदिम समाज संगठन एवं प्रक्रियाओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी आदिम समाज में विवाह, जनजातीय सनसयाएँ एवं योजनाओं से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक मानवशास्त्र : 1. परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषय-वस्तु	07	03	01	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	संस्कृति एवं परिवार : 1. परिभाषा अर्थ एवं प्रकार 2. परिवार के उत्पत्ति एवं संस्कृति के सिद्धांत	12	05	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 3	आदिम समाज: 1. धर्म, जादू, विज्ञान एवं टोटम 2. वंश गोत्र एवं भ्रातदल 3. युवागृह	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 4	आदिम समाज में विवाह : 1. अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार 2. सिद्धांत 3. जनजातीय समस्याएँ एवं सरकारी योजनाएँ	09	04	01	14	23.33 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक मानवविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- दोषी, एल. एस. (2009). *समकालीन मानवशास्त्र*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Hasnain, N. (1983). *Tribes in India.* New Delhi : Harnam Publications.
- Sharma, S. (1994). Tribal Identity and Modern World. New Delhi : Sage Pbc.
- Singh, K. S. (1985). *Tribal Society.* Delhi : Manohar Pbc.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 01	**ग्रामीण समाजशास्त्र**	**4**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएसई - 01. ग्रामीण समाजशास्त्र

इकाई 1: गांव, कृषि और कृषक : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कृषि और गांव का महत्त्व एवं विशेषताएँ, कृषक वर्ग एवं संबंधित अवधारणाएँ

इकाई 2: ग्रामीण समाजशास्त्र : अवधारणाएँ, सिद्धांत एवं पद्धतिशास्त्रीय मुद्दे (लघु समुदाय, लोक-संस्कृति, लघु एवं वृहद परंपराएँ, कृषि अर्थव्यवस्था, पूंजीवाद और वर्ग, कृषक बनाम किसान, विकृषिकरण, लोक-नगरीय सातत्य)

इकाई 3: ग्रामीण सामाजिक संरचना : स्तरीकरण, जाति एवं जजमानी व्यवस्था, ग्रामीण शक्ति संरचना, 73वें व 74वें संविधान संशोधन से परिवर्तित संरचना

इकाई 4: ग्रामीण शासन, विकास एवं समस्याएँ : ग्रामीण शासन, पंचायती राज और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण, भूमि सुधार, हरित क्रांति, किसान आत्महत्या, कृषक आंदोलन, ग्रामीण निर्धनता एवं बेरोजगारी, खाद्य एवं फसल सुरक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, सामुदायिक विकास कार्यक्रम

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी गाँव, कृषि और कृषक का आधार परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी ग्रामीण समाजशास्त्र के अवधारणाओं, सिद्धांतों और पद्धतिशास्त्रीय मुद्दों को जानेंगे।
- विद्यार्थी ग्रामीण सामाजिक संरचना और संवैधानिक सुधारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी ग्रामीण शासन, विकास और समस्याओं से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	गांव, कृषि और कृषक : 1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2. कृषि और गांव का महत्त्व एवं विशेषताएँ 3. कृषक वर्ग एवं संबंधित अवधारणाएँ	06	03	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 2	ग्रामीण समाजशास्त्र : 1. अवधारणाएँ, सिद्धांत एवं पद्धतिशास्त्रीय मुद्दे (लघु समुदाय, लोक-संस्कृति, लघु एवं वृहद परंपराएँ, कृषि अर्थव्यवस्था, पूंजीवाद और वर्ग, कृषक बनाम किसान, विकृषिकरण, लोक-नगरीय सातत्य)	13	05	01	19	31.66 %
मॉड्यूल 3	ग्रामीण सामाजिक संरचना: 1. स्तरीकरण 2. जाति एवं जजमानी व्यवस्था 3. ग्रामीण शक्ति संरचना 4. 73वें व 74वें संविधान संशोधन से परिवर्तित संरचना	07	03	01	11	18.33 %
मॉड्यूल 4	ग्रामीण शासन, विकास एवं समस्याएँ : 1. ग्रामीण शासन, पंचायती राज और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण 2. भूमि सुधार 3. हरित क्रांति 4. किसान आत्महत्या 5. कृषक आंदोलन 6. ग्रामीण निर्धनता एवं बेरोजगारी 7. खाद्य एवं फसल सुरक्षा 8. ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन 9. सामुदायिक विकास कार्यक्रम	14	05	01	20	33.33 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
ग्रामीण समाजशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Desai, A. R. (1959). *Rural Sociology India.* Bombay : Popular Prakashan.
- Desai, A.R. (1979). *Rural India in Transition.* Bombay : Popular Prakashan.
- Dsouza, A. (1978). *The Indian City : Poverty , Ecology and Urban development.* New Delhi : Manohar Pbc.
- Berch, B. (Ed.). (1992). Class, State and Development in India. New Delhi : Sage.
- Desai, A. R. (1977). *Rural Sociology in India.* Bombay : Popular Prakashan.

- Radhakrishnan, P. (1989). *Peasant Struggles : Land reforms and Social Change in Malabar 1836-1982.* New Delhi : Sage Publications.
- Thorner, D., & Thorner A. (1962). Land and Labour in India. Bombay : Asia Publications.
- Betille, A. (1974). *Six Essays in Comparitive Sociology.* New Delhi : OUP.
- Dhanagare, D. N. (1988). *Peasant Movements in India.* New Delhi : OUP.
- Ashish, N. (1999). *Ambiguous Journey to the City.* New Delhi : OUP.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 02	**धार्मिक संगठन**	**2**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	21
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

एमएएसई - 02. धार्मिक संगठन

इकाई 1: हिंदू : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

इकाई 2: मुस्लिम : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

इकाई 3: बौद्ध और जैन : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

इकाई 4: सिक्ख, ईसाई और पारसी : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी हिंदू सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।
- विद्यार्थी मुस्लिम सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।
- विद्यार्थी बौद्ध एवं जैन सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।
- विद्यार्थी सिक्ख, ईसाई और पारसी सामाजिक एवं धार्मिक जीवन को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. हिंदू : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 2	1. मुस्लिम : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. बौद्ध और जैन : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	06	01	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. सिक्ख, ईसाई और पारसी : सामाजिक एवं धार्मिक संगठन	07	02	01	10	33.33 %
योग		**21**	**05**	**04**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
धार्मिक संगठन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Fuller, C. J. (2004). *The Camphor Flame: Popular Hinduism and Society in India*. New Jersey: Princeton University Press.
- Manohar, (2001). *Hinduism: The Five Components and their Interaction.* New Delhi: Orient Black Swan.
- Momin. A.R. (2004). The Indo-Islamic Tradition' in Robinson, R. (ed.) *Sociology of Religion in India*. New Delhi: Sage.
- Omvedt, G. (2003). *Buddhism in India: Challenging Brahmanism and Caste.* New Delhi : Sage.
- Robinson, R. (2003). 'Christianity in the Context of Indian Society and Culture' in Das Veena (ed.), Oxford *Indian Companion to Sociology and Social Anthropology,* OUP: New Delhi.
- Srinivas, M.N. (1952). *Religion and Society among the Coorgs of South India*. Clarendon: Oxford.
- Uberoi, J.P.S. (1991). The Five Symbols of Sikhism in Madan, T.N. (ed.) *Religion in India.* New Delhi : OUP.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

द्वितीय सेमेस्टेर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-05	समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-06	भारतीय समाज	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-07	शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय	मूल	4	39	12	09	60
एमएएस-08	समाज मनोविज्ञान	मूल	4	40	16	04	60
एमएएसई-03	नगरीय समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	42	14	04	60
एमएएसई-04	भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक	ऐच्छिक	2	18	08	04	30

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 05	**समाजशास्त्रीय विचारक (II)**	**4**	**द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 05. समाजशास्त्रीय विचारक (II)

इकाई 1: कार्ल मार्क्स : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन की शक्तियाँ एवं संबंध प्रणाली अतिरिक्त मूल्य, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष का सिद्धांत, वाद-संवाद प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन

इकाई 2: विल्फ्रेडो परेटो : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, तार्किक एवं अतार्किक क्रिया, विशिष्ट चालक एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत

इकाई 3: पारसंस : जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, सामाजिक प्रणाली की अवधारणा एवं सामाजिक क्रिया, सामाजिक व्यवस्था एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत

इकाई 4: राबर्ट के. मर्टन: जीवन परिचय एवं कृतित्त्व, मध्य स्तरीय, संदर्भ समूह एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी कार्ल मार्क्स के जीवन, विचार और योगदान से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी विलफ्रेडो परेटो के जीवन, कृतित्त्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी पारसंस के जीवन, कृतित्त्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राबर्ट के. मर्टन के जीवन, कृतित्त्व और सिद्धांतों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	कार्ल मार्क्स : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. ऐतिहासिक भौतिकवाद 3. उत्पादन की शक्तियाँ एवं संबंध प्रणाली 4. अतिरिक्त मूल्य, वर्ग एवं वर्ग संघर्ष का सिद्धांत 5. वाद-संवाद प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 2	विल्फ्रेडो परेटो : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. तार्किक एवं अतार्किक क्रिया 3. विशिष्ट चालक एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	पारसंस : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. सामाजिक प्रणाली की अवधारणा एवं सामाजिक क्रिया 3. सामाजिक व्यवस्था एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	राबर्ट के. मर्टन : 1. जीवन परिचय एवं कृतित्त्व 2. मध्य स्तरीय, संदर्भ समूह एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत	09	04	01	14	23.33 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्रीय विचारक (II) पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dahrendorf, R. (1959). *Class and Class Conflict in an Industrial Society.* USA : Stanford University Press.
- Parsons, T. (1937). *The structure of social Action (vol.I&II).* New York : McGraw Hill.
- Zeitlin, I. (1981). *Ideology and the Development Sociological Theory.* USA : Prentice Hall.

- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 06	**भारतीय समाज**	**4**	**द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 06. भारतीय समाज

इकाई 1: सामाजिक संरचना : विविधता और एकता, ग्रामीण और शहरी तथा प्राचीन-पारंपरिक एवं आधुनिक

इकाई 2: परिवार, विवाह एवं नातेदारी : परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत एवं बदलते प्रतिमान

इकाई 3: जाति : अर्थ एवं परिभाषा, सामान्य, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक समूह और बदलते प्रतिमान

इकाई 4: वर्ग : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, सिद्धांत एवं भारत में वर्ग की संकल्पना

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी विविध भारतीय सामाजिक संरचनाओं से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी परिवार, विवाह और नातेदारी से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी जाति संरचना से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी वर्ग संरचना से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक संरचना : 1. विविधता और एकता 2. ग्रामीण और शहरी 3. प्राचीन-पारंपरिक एवं आधुनिक	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	1. परिवार : परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत एवं बदलते प्रतिमान 2. विवाह : विशिष्ट चालक एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत 3. नातेदारी : परिभाषा, प्रकार, सिद्धांत एवं बदलते प्रतिमान	14	04	01	19	31.66 %
मॉड्यूल 3	जाति : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. सामान्य, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक समूह 3. बदलते प्रतिमान	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	वर्ग : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. सिद्धांत एवं भारत में वर्ग की संकल्पना	09	04	01	14	23.33 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाज पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, N. K. (1967). *Culture and Society in India.* Bombay : Asia Publishing House.
- Karve, I. (1961). *Hindu Society : An Interpretation.* Puna : Deccan College.
- Lannoy, R. (1971). *The Speaking Tree : A Study of Indian Society and Culture.* Delhi : Oxford University Press.
- Mandelbaum, D. G. (1970). *Society in India.* Bombay : Popular Prakashan.
- Srinivas, M. N. (1980). *India : Social Structure.* New Delhi : Hindustan Publishing Corporation.

- Uberoi, P. (1993). *Family, Kinship and Marriage in India.* New Delhi : Oxford University Press.
- Dube, S. C. (1990). *Society in India.* New Delhi : National Book Trust.
- Dube, S. C. (1995). *Indian Village.* London : Routledge.
- Dube, S. C. (1958). *India's Changing Villages.* London : Routledge & Kegan Paul.
- Srinivas, M. N. (1963). *Social Change in Modern India.* Berkeley : University of California Press.
- Singh, Y. (1973). *Modernization of Indian Tradition.* Delhi : Thomson Press).
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- अहूजा, राम. (2001). *भारतीय सामाज*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- जैन, शोभिता. (1996). *भारत में परिवार, विवाह और नातेदारी*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 07	**शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय**	**4**	**द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	09
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 07. शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय

इकाई 1: शोध : अर्थ, महत्त्व एवं उद्देश्य, चरण, वस्तुनिष्ठता, साहित्य पुनरावलोकन, नैतिकता, समस्या, अवलोकन, शोध अभिकल्प

इकाई 2: शोध समस्या, प्राक्कल्पना एवं उपागम : शोध समस्या की परिभाषा, शोध उद्देश्य, प्रश्न एवं उपकल्पना में अंतर, प्राक्कल्पना प्रकार एवं परीक्षण तथा शोध के विभिन्न उपागम व परिप्रेक्ष्य

इकाई 3: शोध पद्धतियाँ : सर्वेक्षण विधि, वैयक्तिक अध्ययन, साक्षात्कार, ऐतिहासिक/अर्काइवल विश्लेषण, पीआरए, एफ़जीडी, अंतर्वस्तु विश्लेषण, समाजमिति, आख्यान एवं नृजाति अध्ययन पद्धति

इकाई 4: आकड़ों का संग्रहण : आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत, आँकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण, निदर्शन एवं इसके प्रकार

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी शोध और उसके चरण से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी शोध समस्या और प्राक्कलपना से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी आकड़ों के प्रकार, स्रोत एवं संग्रहण उपकरणों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	शोध : 1. अर्थ, महत्त्व एवं उद्देश्य 2. चरण 3. वस्तुनिष्ठता 4. साहित्य पुनरावलोकन 5. नैतिकता 6. समस्या 7. अवलोकन 8. शोध अभिकल्प	07	02	02	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	शोध समस्या, प्राक्कल्पना एवं उपागम : 1. शोध समस्या की परिभाषा 2. शोध उद्देश्य, प्रश्न एवं उपकल्पना में अंतर 3. प्राक्कल्पना के प्रकार एवं परीक्षण 4. शोध के विभिन्न उपागम व परिप्रेक्ष्य	09	03	02	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	शोध पद्धतियाँ : 1. सर्वेक्षण विधि 2. वैयक्तिक अध्ययन 3. साक्षात्कार 4. ऐतिहासिक/अर्काइवल विश्लेषण 5. पीआरए 6. एफ़जीडी 7. अंतर्वस्तु विश्लेषण 8. समाजमिति 9. आख्यान एवं नृजाति अध्ययन पद्धति	14	04	03	21	35.00 %
मॉड्यूल 4	आकड़ों का संग्रहण : 1. आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत 2. आँकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण 3. निदर्शन एवं इसके प्रकार	09	03	02	14	23.33 %
योग		**39**	**12**	**09**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Sage Pbc.
- Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 08	**समाज मनोविज्ञान**	**4**	**द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 08. समाज मनोविज्ञान

इकाई 1. परिचय : अवधारणा एवं सैद्धांतिक उपागम, अंतर समूह द्वंद्व एवं स्वास्थ्य

इकाई 2. सामाजिक संज्ञान : स्कीमा, रुढ़ियुक्तियां एवं संज्ञात्मक युक्तियाँ, आत्म प्रत्यक्षण एवं व्यक्तिक प्रत्यक्षण

इकाई 3. मनोवृत्ति : परिभाषा एवं विशेषताएँ, निर्धारक तत्त्व एवं मानव मूल्य, परिवर्तन एवं सिद्धांत

इकाई 4. समूह एवं नेतृत्त्व : परिभाषा, प्रकृति एवं कार्य, प्रकार एवं सिद्धांत

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजमनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक संज्ञान के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।।
- विद्यार्थी मनोवृत्ति और उसके विभिन्न पक्षों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी समूह और नेतृत्त्व से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	परिचय : 1. अवधारणा एवं सैद्धांतिक उपागम 2. अंतर समूह द्वंद्व एवं स्वास्थ्य	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 2	सामाजिक संज्ञान : 1. स्कीमा 2. रुढ़ियुक्तियां एवं संज्ञात्मक युक्तियाँ 3. आत्म प्रत्यक्षण एवं व्यक्तिक प्रत्यक्षण	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	मनोवृत्ति : 1. परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. निर्धारक तत्त्व एवं मानव मूल्य 3. परिवर्तन एवं सिद्धांत	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	समूह एवं नेतृत्त्व : 1. परिभाषा, प्रकृति एवं कार्य 2. प्रकार एवं सिद्धांत	12	04	01	17	28.33 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाज मनोविज्ञान पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Baron, R. A. & Misra, G. (2014). *Psychology: Indian Subcontinent Edition*. Pearson Education
- Misra, G. (1990) .*Applied Social Psychology*. New Delhi: Sage.
- Misra, G. (2009). *Psychology in India, Volume 4: Theoretical and Methodological Developments (ICSSR survey of advances in research).* New Delhi: Pearson.
- त्रिपाठी, एल. बी. एवं सहयोगी (1993). *आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान*. आगरा: हर प्रसाद भार्गव.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 03	नगरीय समाजशास्त्र	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएसई - 03. नगरीय समाजशास्त्र

इकाई 1: नगरीय समाजशास्त्र का परिचय : नगरीय पारिस्थितिकी, नगरीकरण, नगरवाद, भारतीय नगर, भारत में नगरीय समाजशास्त्र

इकाई 2: नगरीय समाजशास्त्र के सिद्धांत : नगर के शास्त्रीय सिद्धांत, शिकागो स्कूल एवं इसके आलोचक, नवीन नगरीय समाजशास्त्र

इकाई 3: नगरीय सामाजिक संरचना एवं प्रशासन : परिवार, नगरीय असमानताएँ, जाति एवं जातीय अलगाव, नगरीय प्रशासन

इकाई 4: नगरीय विकास एवं समस्याएँ : नगरीय जनसांख्यिकी, नगरीय निर्धनता, मलिन बस्ती, प्रवासन, नगरीय प्रदूषण, नगरीय नियोजन एवं संस्थाएँ

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी नगरीय पारिस्थितिकी के साथ भारत में नगर से परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी नगर के सिद्धांतों और पद्धतिशास्त्रीय स्कूलों को जानेंगे।
- विद्यार्थी नगरीय सामाजिक संरचना और संवैधानिक सुधारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी नगरीय विकास और समस्याओं से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	नगरीय समाजशास्त्र का परिचय : 1. नगरीय पारिस्थितिकी 2. नगरीकरण 3. नगरवाद 4. भारतीय नगर 5. भारत में नगरीय समाजशास्त्र	10	03	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 2	नगरीय समाजशास्त्र के सिद्धांत : 1. नगर के शास्त्रीय सिद्धांत 2. शिकागो स्कूल एवं इसके आलोचक 3. नवीन नगरीय समाजशास्त्र	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	नगरीय सामाजिक संरचना एवं प्रशासन : 1. परिवार 2. नगरीय असमानताएँ 3. जाति एवं जातीय अलगाव 4. नगरीय प्रशासन	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	नगरीय विकास एवं समस्याएँ : 1. नगरीय जनसांख्यिकी 2. नगरीय निर्धनता 3. मलिन बस्ती 4. प्रवासन 5. नगरीय प्रदूषण 6. नगरीय नियोजन एवं संस्थाएँ	13	04	01	18	30.00 %
योग		**42**	**14**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
नगरीय समाजशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Abrahimson, M. (1976). *Urban Sociology.* Englewoot : Prentice Hall.
- Castells, M. (1977). *The Urban Question.* London : Edward Arnold.
- Desai, A. R., & Pillai, S. D. (Ed.). (1970). *Slums and Urbanisation.* Bombay : Popular Prakashan.
- DSouza, A. (1979). *The Indian City : Poverty, ecology and urban development.* Delhi : Manohar Pbc.

- Edward, W. S. (2000). *Post Metropolis : Critical Studies of cites and regions.* Oxford : Blakcwell.
- Ellin, N. (1996). *Post Modern Urbanisim.* Oxford : Oxford University Press.
- Gold, H. (1982). *Sociology of Urban Life.* Englewood Cliff : Prentice Hall.
- Pickwance, C. G. (Ed.). (1976). *Urban Sociology.* Methuen : Critical Essays.
- Quinn, J. A. (1955). *Urban Sociology.* New Delhi : S Chand & Co.
- Ramachandran, R. (1991). *Urbanisation and Urban Systems in India.* Delhi : OUP.
- Ronnan, P. (2001). *Handbook of Urban Studies.* India : Sage.
- Sylvia, F. F. (1968). *New Urbanism in World Perspectives-a Reader.* New York : T.Y.Cowell.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 04	भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक	2	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

एमएएसई - 04. भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक

इकाई 1 : बालगंगाधर तिलक एवं राजा राम मोहन राय

इकाई 2 : स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गाँधी

इकाई 3 : वीर सावरकर एवं भीमराव अंबेडकर

इकाई 4 : दयानन्द सरस्वती एवं राम मनोहर लोहिया

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी बालगंगाधर तिलक और राजा राम मोहन राय के विचारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गाँधी के विचारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी वीर सावरकर एवं भीमराव अंबेडकर के विचारों को जानेंगे।
- विद्यार्थी दयानन्द सरस्वती एवं राम मनोहर लोहिया के विचारों को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. बालगंगाधर तिलक 2. राजा राम मोहन राय	04	02	01	07	23.33 %
मॉड्यूल 2	1. स्वामी विवेकानंद 2. महात्मा गाँधी	05	02	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 3	1. वीर सावरकर 2. भीमराव अंबेडकर	05	02	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. दयानन्द सरस्वती 2. राम मनोहर लोहिया	04	02	01	07	23.33 %
योग		**18**	**08**	**04**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय सामाजिक राजनीतिक विचारक पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Kumar, (2010) 'Understanding Lohia's Political Sociology: Intersectionality of Caste, Class, Gender and Language Issue', in Economic and Political Weekly, Vol. XLV (40).
- Parel, (ed.), (2002) 'Introduction', in Gandhi, freedom and Self Rule, Delhi: Vistaar Publication.
- Sen, (2003) 'Swami Vivekananda on History and Society', in Swami Vivekananda, Delhi: Oxford University Press.
- Ambedkar, (1991) 'Constituent Assembly Debates', S. Hay (ed.), Sources of IndianTradition, Vol. 2, Second Edition, New Delhi: Penguin.
- Mungekar, (2007) 'Quest for Democratic Socialism', in S. Thorat, and Aryana (eds.), Ambedkar in Retrospect - Essays on Economics, Politics and Society, Jaipur: IIDS and Rawat Publications.
- Dalton, (1982) 'Continuity of Innovation', in Indian Idea of Freedom: Political Thought of Swami Vivekananda, Aurobindo Ghose, Rabindranath Tagore and Mahatma Gandhi, Academic Press: Gurgaon.

- Dalton, (1982) Indian Idea of Freedom: Political Thought of Swami Vivekananda, Aurobindo Ghose, Mahatma Gandhi and Rabindranath Tagore, Gurgaon: The Academic Press.
- Dh. Keer, (1966) Veer Savarkar, Bombay: Popular Prakashan.
- H. Rustav, (1998) 'Swami Vivekananda and the Ideal Society', in W. Radice (ed.), SwamiVivekananda and the Modernisation of Hinduism, Delhi: Oxford University Press.
- J. Sharma, (2003) Hindutva: Exploring the Idea of Hindu Nationalism, Delhi: Penguin.
- M. Anees and V. Dixit (eds.), (1984) Lohia: Many Faceted Personality, Rammanohar Lohia Smarak Smriti.
- M. Gandhi, (1991) 'Satyagraha: Transforming Unjust Relationships through the Power of the Soul', in S. Hay (ed.), Sources of Indian Tradition, Vol. 2.Second Edition, New Delhi: Penguin.
- R. Roy, (1991) 'The Precepts of Jesus, the Guide to Peace and Happiness', S. Hay, (ed.) Sources of Indian Traditio, Vol. 2. Second Edition. New Delhi: Penguin.
- Rodrigues, (2007) 'Good society, Rights, Democracy Socialism', in S. Thorat and Aryama (eds.), Ambedkar in Retrospect - Essays on Economics, Politics and Society, Jaipur: IIDS and Rawat Publications.
- S. Sarkar, (1985) 'Rammohan Roy and the break With the Past', in A Critique on colonialIndia, Calcutta: Papyrus.
- S. Sinha, (2010) 'Lohia's Socialism: An underdog's perspective', in Economic and PoliticalWeekly, Vol. XLV (40).
- S. Vivekananda, (2007) 'The Real and the Apparent Man', S. Bodhasarananda (ed.), Selections from the Complete Works of Swami Vivekananda, Kolkata: Advaita Ashrama.
- T. Pantham, (1986) 'The Socio-Religious Thought of Rammohan Roy', in Th. Panthom and K. Deutsch, (eds.) Political Thought in Modern India, New Delhi: Sage.

- V.Savarkar, 'Hindutva is Different from Hinduism', available at http://www.savarkar.org/en/hindutva-/essentials-hindutva/hindutva-different-hinduism, Accessed: 19.04.2013

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

तृतीय सेमेस्टेर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-09	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-10	भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-11	समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ	मूल	4	36	14	10	60
एमएएस-12	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	मूल	4	43	13	04	60
एमएएसई-05	औद्योगिक समाजशास्त्र	ऐच्छिक	4	40	16	04	60
एमएएसई-06	पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना	ऐच्छिक	4	40	16	04	60

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 09	**आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)**	**4**	**तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 09. आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

इकाई 1: प्रघटना विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, एडमंड हर्सेल, अल्फ्रेड शुट्ज़, पीटर बर्जर एवं थॉमस लकमैन

इकाई 2: लोकविधि विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, हेराल्ड गर्फ़िंकल एवं इर्विंग गौफमैन

इकाई 3: नवमार्क्सवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, जुरगेन हेबरमास एवं लुईस अल्थुजर

इकाई 4: नवप्रकार्यवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, निकलस लुहमान एवं जेफ्रे सी. अलेक्ज़ेंडर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी प्रघटना विज्ञान के सिद्धांतों को जानेंगे।।
- विद्यार्थी लोकविधिविज्ञान के सिद्धांतो को जानेंगे।
- विद्यार्थी नवमार्क्सवाद के सिद्धांतो को जानेंगे।
- विद्यार्थी नवप्रकार्यवाद के सिद्धांतो को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	प्रघटना विज्ञान : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. एडमंड हर्सेल 3. अल्फ्रेड शुट्ज़ 4. पीटर बर्जर एवं थॉमस लकमैन	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 2	लोकविधि विज्ञान : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. हेराल्ड गर्फ़िंकल 3. इर्विंग गौफमैन	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	नवमार्क्सवाद : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. निकलास लुहमान एवं जेफ्रे सी. अलेक्ज़ेंडर	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	नवप्रकार्यवाद : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. जुरगेन हेबरमास एवं लुईस अल्थुजर	10	04	01	15	25.00 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I) पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Alexander, Jeffrey C. Ed. (1985). *Neofunctionalism.* London: Sage Publication.
- Derrida, J. 1978. Writing and Difference, Chicago: University of Chicago.
- Focault, M. 1971. The Archaeology of Knowledge, New York: Pantheon Books.
- Garfinkel, H. (1984). *Studies in Ethnomethodology.* Cambridge : Polity Press.
- Garfinkel, H. 1984. Studies in Ethnomethodology, Cambridge: Polity Press.

- Luckmann, T. (ed.). 1978. Phenomenology and Sociology, Middlesex: Penguin Books.
- Ritzer. G. (2005). (5th edition). *Modern Sociological Theory*. New York : McGraw – Hill Publication.
- Ritzer.G. 2005 (5th edition). Modern Sociological Theory, New York: McGraw –Hill Publication
- Seidman, S. & Alexander, J.C. (2001). *The New Social Theory Reader*. London : Routledge.
- Seidman,S.& Alexander, J.C. 2001. The New Social Theory Reader, London: Routledge.
- Turner, J. H. (1995). *The structure of sociological theory.* New Delhi : Rawat.
- दोषी, एल. एस. (2010). *उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांतकार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). *आधुनिकता,उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत.* जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). *समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 10	**भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य**	**4**	**तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 10. भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 1: भारतशास्त्र/ग्रंथ और सभ्यतात्मक परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, जी.एस. घुर्ये, लुई ड्यूमा, इरावती कर्वे, राधाकमल मुखर्जी, एन.के. बोस, सुरजीत सिन्हा

इकाई 2: संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे

इकाई 3: द्वन्द्वात्मक परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी, ए. आर. देसाई,

इकाई 4: अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य : अर्थ एवं परिभाषा, बी.आर. अंबेडकर, रणजीत गुहा, डेविड हार्डीमेन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सभ्यतागत परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी द्वंद्वात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	भारतशास्त्र/ग्रंथ और सभ्यतात्मक परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. जी.एस. घुर्ये 3. लुई ड्यूमा 4. इरावती कर्वे 5. राधकमल मुखर्जी 6. एन.के. बोस 7. सुरजीत सिन्हा	15	04	01	20	33.33 %
मॉड्यूल 2	संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. एम.एन. श्रीनिवास 3. एस.सी. दुबे	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 3	द्वन्द्वात्मक परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी 3. ए. आर. देसाई	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य : 1. अर्थ एवं परिभाषा 2. बी.आर. अंबेडकर 3. रणजीत गुहा 4. डेविड हार्डीमेन	09	04	01	14	23.33 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dhanagare. D.N.: Themes and perspectives in Indian sociology. Rawat Publication. Jaipur, 1993.
- Dube, S. C. (1967). *The Indian Village.* London : Routledge.
- Dube, S. C. (1973). *Social Sciences in a Changing Society.* Lucknow : Lucknow University Press.

- Dumont, L. (1970). *Homo Hierarchicus : The Caste System and its Implications.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Dumont. Louis Homo Hyerrchicus : The Caste System and its implications. Vikas publications, New Delhi, 1970
- Momin. A. R. : The legacy of G.S. Ghurye. A cemennial festschrift. Popular prakashan. Bombay. 1996.
- Mukherjee, D. P. (1958). *Diversities People's.* Delhi : Publishing House.
- दोषी, एल. एस. (2017). *आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत.* जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- नगला, के. बी. (2015). *भारतीय समाजशास्त्रीय चिंतन.* जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). *समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 11	**समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ**	**4**	**तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 11. समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ

इकाई 1: शोध सांख्यिकी का परिचय : अर्थ एवं महत्त्व, प्रकार, मापन स्तर, सारणी एवं ग्राफ़िक प्रस्तुतिकरण, केंद्रीय प्रवृत्ति माप एवं प्रसार, सांख्यिकीय परीक्षण

इकाई 2: आकड़ों का संग्रहण, विश्लेषण एवं निर्वचन : आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत, आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण, निदर्शन, गणनात्मक विश्लेषण (सह-संबंध, काई-स्कवेयर, एनोवा, टी-परीक्षण), गुणात्मक विश्लेषण (संदर्भात्मक/ विषयात्मक एवं आख्यात्मक), विश्लेषक सॉफ्टवेयरों के अनुप्रयोग

इकाई 3. शोध निष्कर्ष का प्रस्तुतीकरण एवं संदर्भ सूची : शोध सारांश, शोध पत्र एवं शोध आलेख, शोध प्रस्ताव, पुस्तक समीक्षा एवं शोध परियोजना प्रतिवेदन

इकाई 4. बिब्लियोग्राफ़ी : एम.एल.ए., ए.पी.ए. एवं शिकागो

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी शोध के सांख्यिकीय तकनीकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी शोध में आकड़ों के संग्रहण, विश्लेषण और निर्वचन को जानेंगे।
- विद्यार्थी शोध निष्कर्ष लेखन को जानेंगे।
- विद्यार्थी संदर्भ और ग्रंथ-सूची निरूपण से भी परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	शोध सांख्यिकी का परिचय : 1. अर्थ एवं महत्त्व 2. प्रकार 3. मापन स्तर 4. सारणी एवं ग्राफ़िक प्रस्तुतिकरण 5. केंद्रीय प्रवृत्ति माप एवं प्रसार 6. सांख्यिकीय परीक्षण	12	04	03	19	31.66 %
मॉड्यूल 2	आकड़ों का संग्रहण, विश्लेषण एवं निर्वचन : 1. आकड़ों के प्रकार एवं स्रोत 2. आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण 3. निदर्शन 4. गणनात्मक विश्लेषण (सह-संबंध, काई-स्कवेयर, एनोवा, टी-परीक्षण) 5. गुणात्मक विश्लेषण (संदर्भात्मक/ विषयात्मक एवं आख्यात्मक) 6. विश्लेषक सॉफ्टवेयरों के अनुप्रयोग	14	04	03	21	35.00 %
मॉड्यूल 3	शोध निष्कर्ष का प्रस्तुतीकरण एवं संदर्भ सूची: 1. शोध सारांश 2. शोध पत्र एवं शोध आलेख 3. शोध प्रस्ताव 4. पुस्तक समीक्षा 5. शोध परियोजना प्रतिवेदन	06	03	02	11	18.33 %
मॉड्यूल 4	बिब्लियोग्राफ़ी : 1. एम.एल.ए. 2. ए.पी.ए. 3. शिकागो	04	03	02	09	15.00 %
योग		**36**	**14**	**10**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्रीय शोध विधियाँ पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.

- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* दिल्ली: विवेक प्रकाशन.
- लाल, जे. एन. (2012). *मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी.* गोरखपुर: नीलकमल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 12	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	4	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	43
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	13
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 12. सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

इकाई 1: सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रक्रिया : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप, सामाजिक उदविकास, प्रगति, सामाजिक क्रांति, विकास, नगरीकरण, औद्योगीकरण, आधुनिकीकरण एवं संस्कृतिकरण

इकाई 2: सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांत : जैविक, जनसंख्यात्मक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक, रेखीय, चक्रीय एवं प्रौद्योगिकी सिद्धांत

इकाई 3: सामाजिक नियंत्रण : परिभाषा एवं उद्देश्य, सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन एवं अनौपचारिक साधन

इकाई 4: सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : ई.ए. रास, दुर्खीम, पारसंस एवं डब्ल्यू. जी. समनर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन की विभिन्न प्रक्रियाओं से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक नियंत्रण और उसके साधनों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रक्रिया: 1. परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप 2. सामाजिक उदविकास 3. प्रगति 4. सामाजिक क्रांति 5. विकास 6. नगरीकरण 7. औद्योगीकरण 8. आधुनिकीकरण 9. संस्कृतिकरण	13	04	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 2	सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांत : 1. जैविक 2. जनसंख्यात्मक 3. सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक 4. रेखीय, चक्रीय एवं प्रौद्योगिकी सिद्धांत	11	03	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	सामाजिक नियंत्रण : 1. परिभाषा एवं उद्देश्य 2. सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन 3. सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन	07	02	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 4	सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : 1. ई.ए. रास 2. दुर्खीम 3. पारसंस 4. डब्ल्यू. जी. समनर	12	04	01	17	28.33 %
योग		**43**	**13**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- अहूजा, राम. (2016). *सामाजिक समस्याएँ.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- व्यास, दिनेश. (2014). *सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन एवं निरंतरता:भारत समुदाय का अध्ययन* . जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक मुद्दे. जयपुर:* रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 05	**औद्योगिक समाजशास्त्र**	**4**	**तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएसई - 05. औद्योगिक समाजशास्त्र

इकाई 1 : औद्योगीक समाजशास्त्र : परिभाषा, अवधारणा, उद्भव एवं विकास, विषय क्षेत्र और प्रकृति

इकाई 2 : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम एवं मैक्स वेबर

इकाई 3 : औद्योगीकरण, औद्योगिक विवाद, श्रमिक संघवाद एवं सामूहिक सौदेबाजी

इकाई 4 : सामाजिक सुरक्षा, विवेकीकरण एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी औद्योगिक समाजशास्त्र के विकास, क्षेत्र व प्रकृति का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी उद्योग आधारित सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों को जानेंगे।
- विद्यार्थी औद्योगीकरण, विवाद और श्रमिक संबंधित अवधारणाओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय श्रम से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	औद्योगीक समाजशास्त्र : 1. परिभाषा, अवधारणा, उद्भव एवं विकास 2. विषय क्षेत्र और प्रकृति	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : 1. कार्ल मार्क्स 2. इमाइल दुर्खीम 3. मैक्स वेबर	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	1. औद्योगीकरण 2. औद्योगिक विवाद 3. श्रमिक संघवाद एवं सामूहिक सौदेबाजी	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	1. सामाजिक सुरक्षा 2. विवेकीकरण 3. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन	10	04	01	15	25.00 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
औद्योगिक समाजशास्त्र पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Laxmanna, C. (1990). *Workers, Participation and Industrial democracy.* New Delhi : Ajantha
- Pascal, G. (1972). *Fundamentals of Industrial Sociology.* Bombay : Tata McGraw Hill.
- Punekar, S. D. (1978). *Labour welfare, Trade union and Industrial relations.* Bombay : Hiamalaya Publishing House.
- Ramaswamy, E. R. (1977). *The worker and his union.* New Delhi : Allied Pbc.
- Ramaswamy, E. R. (1978). *Industrial relations in india.* New Delhi : MacMillan.
- Schneider, E.V. (1957). *Industrial sociology.* New York : McGraw Hill.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 06	**पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना**	**4**	**तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएसई - 06. पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना

इकाई 1: परंपरागत आधार : धर्म, कर्म एवं पुनर्जन्म की अवधारणा

इकाई 2: वर्ण व्यवस्था : अर्थ, उत्पत्ति के सिद्धांत, वर्ण धर्म, वर्ण प्रकार्यों की अन्योन्यश्रितता एवं वर्ण असमानताएँ

इकाई 3: आश्रम व्यवस्था : विविध आश्रम, विशेषताएँ एवं महत्व

इकाई 4: पुरुषार्थ : अर्थ एवं महत्व

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी वैदिक सामाजिक जीवन के आधार का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी वर्ण व्यवस्था को जानेंगे।
- विद्यार्थी आश्रम व्यवस्था को जानेंगे।
- विद्यार्थी पुरुषार्थ को जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	परंपरागत आधार : 1. धर्म 2. कर्म एवं पुनर्जन्म की अवधारणा	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	वर्ण व्यवस्था : 1. अर्थ 2. उत्पत्ति के सिद्धांत 3. वर्ण धर्म 4. वर्ण प्रकार्यों की अन्योन्यश्रितता 5. वर्ण असमानताएँ	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	आश्रम व्यवस्था : 1. विविध आश्रम 2. विशेषताएँ एवं महत्व	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	पुरुषार्थ : 1. अर्थ एवं महत्व	10	04	01	15	25.00 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
पारंपरिक भारतीय सामाजिक संरचना पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Hasnain, N. (1983). *Tribes in India.* New Delhi : Harnam Publications.
- Madan, T.N. (1997). *Modern Myths and Locked Minds*. Delhi: Oxford University Press.
- Mason, Philip. (1967). Unity and Diversity: An Introductory Review in Philip Mason(ed.) *India and Ceylon: Unity and Diversity*. London: Oxford University Press.

- Sharma, S. (1994). Tribal Identity and Modern World. New Delhi : Sage Pbc.
- Srinivas, M.N. (1969). The Caste System in India, in A. Beteille (ed.) *Social Inequality: Selected Readings.* Harmondsworth: Penguin Books.
- अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

चतुर्थ सेमेस्टेर

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	मूल/ ऐच्छिक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
एमएएस-13	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-14	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-15	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत	मूल	4	40	16	04	60
एमएएस-16	लघु शोध प्रबंध	मूल	4	00	44	16	60
एमएएसई-07	सामाजिक जनसांख्यिकी	ऐच्छिक	4	43	13	04	60
एमएएसई-08	आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन	ऐच्छिक	2	18	08	04	30

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 13	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस 13. आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

इकाई 1: विवेचनात्मक सिद्धांत : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, मैक्स होर्खाईमर, थिओडोर एडोर्नो एवं हर्बर्ट मार्कुज

इकाई 2: संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद/नवसंरचनावाद : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, एंथनी गिडेंस, लेवी स्ट्रास एवं लुई अल्थूजर

इकाई 3: आधुनिकता : अर्थ, परिभाषा, लक्षण, भारत एवं पाश्चात्य आधुनिक सिद्धांतवेत्ता

इकाई 4: उत्तर-आधुनिकता : अर्थ, परिभाषा, लक्षण, जॉक देरिदा, मिशेल फूको, फ्रेड्रिक जेमेंसन एवं ल्योतार्ड, ज्यां बोड्रिलार्ड एवं जॉर्ज रिट्जर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी विवेचनात्मक सिद्धांत के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी संरचनाकरण एवं नव-संरचनावाद के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी आधुनिकता के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी उत्तर-आधुनिकता के बारे में जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	विवेचनात्मक सिद्धांत : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. मैक्स होर्खाईमर 3. थिओडोर एडोर्नो 4. हर्बर्ट मार्कुज	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 2	संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद/ नवसंरचनावाद : 1. अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. एंथनी गि डेंस 3. लेवी स्ट्रास 4. लुई अल्थूजर	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	आधुनिकता : 1. अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण 2. भारत एवं पाश्चात्य आधुनिक सिद्धांतवेत्ता	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 4	उत्तर-आधुनिकता : 1. अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण 2. जॉक देरिदा 3. मिशेल फूको 4. फ्रेड्रिक जेमेंसन 5. ल्योतार्ड 6. ज्यां बोड्रिलार्ड 7. जॉर्ज रिट्जर	13	04	01	18	30.00 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II) पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Alexander, Jeffrey C. Ed. (1985). *Neofunctionalism.* London: Sage Publication.
- Derrida, J. (1978). Writing and Difference, Chicago: University of Chicago.
- Focault, M. (1971). The Archaeology of Knowledge, New York: Pantheon Books.
- Garfinkel, H. (1984). *Studies in Ethnomethodology.* Cambridge : Polity Press.

- Luckmann, T. (ed.). (1978). Phenomenology and Sociology, Middlesex: Penguin Books.
- Ritzer. G. (2005). (5th edition). *Modern Sociological Theory*. New York : McGraw – Hill Publication.
- Ritzer.G. 2005 (5th edition). Modern Sociological Theory, New York: McGraw –Hill Publication
- Seidman, S. & Alexander, J.C. (2001). *The New Social Theory Reader*. London : Routledge.
- Turner, J. H. (1995). *The structure of sociological theory*. New Delhi : Rawat.
- दोषी, एल. एस. (2010). *उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांतकार*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). *आधुनिकता,उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत*. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). *समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत*. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 14	**भारतीय सामाजिक समस्याएँ**	**4**	**चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 14. भारतीय सामाजिक समस्याएँ

इकाई 1: सामाजिक रूपांतरण एवं समस्या : परिभाषा एवं अवधारणा, उपागम एवं अध्ययन पद्धतियाँ

इकाई 2: सामाजिक संरचना संक्रमण : परिवार का टूटना, प्रवासन एवं विस्थापन, नगरीकरण एवं सामाजिक जनांकिकी तथा श्रम

इकाई 3: वंचना एवं अलगाव : निरक्षरता एवं निर्धनता, अपराध एवं अपचार, मादक द्रव्य व्यसन, आतंकवाद, नक्सलवाद एवं हिंसा

इकाई 4: पहचान एवं सामाजिक न्याय : बाल समूह, युवा वर्ग, वृद्ध जन, महिलाएँ, अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ, अल्पसंख्यक वर्ग, नृजातीयता, क्षेत्रवाद

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक समस्या के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक रूपांतरण एवं संरचना संक्रमण के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी वंचना एवं अलगाव के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी पहचान एवं सामाजिक न्याय के बारे में जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक रूपांतरण एवं समस्या : 1. परिभाषा एवं अवधारणा 2. उपागम एवं अध्ययन पद्धतियाँ	08	04	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	सामाजिक संरचना संक्रमण : 1. परिवार का टूटना 2. प्रवासन एवं विस्थापन 3. नगरीकरण 4. सामाजिक जनांकिकी तथा श्रम	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 3	वंचना एवं अलगाव : 1. निरक्षरता एवं निर्धनता 2. अपराध एवं अपचार 3. मादक द्रव्य व्यसन 4. आतंकवाद 5. नक्सलवाद एवं हिंसा	09	04	01	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	पहचान एवं सामाजिक न्याय : 1. बाल समूह 2. युवा वर्ग 3. वृद्ध जन 4. महिलाएँ 5. अनुसूचित जातियाँ 6. अनुसूचित जनजातियाँ 7. अल्पसंख्यक वर्ग 8. नृजातीयता 9. क्षेत्रवाद	14	04	01	18	30.00 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय सामाजिक समस्याएँ पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Giddens, A. (1996). *Global Problems and Ecological Crisis in Introduction to Sociology.* New York : W.W. Norton & Co.
- Sharma, S. L. (2000). *Empowerment Without Antagonism : A Case for Reformulation of Women's Empowerment Approach.* Sociological Bulletin, 49(1).
- Inden, R. (1990). *Imaging India.* Oxford : Brasil Blackward.

- Veer, V. P. (1994). *Religious Nationalism : Hindus and Muslims in India.* Berkeley : University of California Press.
- Guha, R. C. (1991). *Subaltern Studies.* New York: OUP.
- धवन, हरिमोहन. (2011). *महिला आरक्षण एवं भारतीय समाज*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. के. (2006). *भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक मुद्दे*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 15	समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 15. समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत

इकाई 1: समाजशास्त्रीय सिद्धांत : अर्थ परिभाषा, तत्त्व, उपयोगिता, प्रकार एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव

इकाई 2: संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास

इकाई 3: संघर्ष एवं विनिमय सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, राल्फ डेहरेंडाल्फ एवं लेविस कोजर, जार्ज होमन्स एवं पीटर ब्ला

इकाई 4: प्रतीकात्मक अंतः क्रियावादी सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, जार्ज हर्बर्ट मीड, हर्बर्ट ब्लूमर

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांत क्या होते हैं को जानेंगे।
- विद्यार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक सिद्धांत को जानेंगे।
- विद्यार्थी संघर्ष एवं विनिमय सिद्धांत के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी प्रतीकात्मक अंतःक्रियावादी सिद्धांत के बारे में जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	समाजशास्त्रीय सिद्धांत : 1. अर्थ परिभाषा, तत्त्व, उपयोगिता एवं प्रकार 2. आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 2	संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : 1. परिभाषा एवं अर्थ 2. उद्भव एवं विकास	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	संघर्ष एवं विनिमय सिद्धांत : 1. परिभाषा एवं अर्थ 2. उद्भव एवं विकास 3. राल्फ डेहरेंडाल्फ एवं लेविस कोजर 4. जार्ज होमन्स एवं पीटर ब्ला	10	04	01	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	प्रतीकात्मक अंतः क्रियावादी सिद्धांत : 1. परिभाषा एवं अर्थ 2. उद्भव एवं विकास 3. जार्ज हर्बर्ट मीड 4. हर्बर्ट ब्लूमर	10	04	01	15	25.00 %
योग		**40**	**16**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Radcliffe-Brown, A.R. (1952). *Structure & Function in Primitive Societies* London : The English Language Book Society Ltd.
- Strauss, Levi. (1953). *Social Structure.* Chicago : University Press.
- त्रिवेदी, एस. एम. एवं दोषी, एल. एस. (1996). उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2007). *आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2003). *समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार.* जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएस – 16	**लघु शोध प्रबंध**	**4**	**चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	00
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	44
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	16
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएस - 16. लघु शोध प्रबंध

लघु शोध प्रबंध प्रारूप

सारांश - 150 शब्द का हो, जिसमें समस्या, विधि और परिणाम समाहित हों।

प्रस्तावना - सैद्धांतिक पक्ष, समीक्षा, प्रस्तुत अध्ययन, उदेश्य और परिकल्पना

विधि - अभिकल्प, प्रतिदर्श, मापनी, प्रक्रिया

परिणाम - समूह प्रदत्त का मात्रात्मक विश्लेषण (मूल प्रदत्त परिशिष्ट में नहीं होना चाहिए)
संभावना हो तो ग्राफ का उपयोग करें।
गुणात्मक विश्लेषण हो तो गुणात्मक विश्लेषण की जिस विधि का उपयोग किया गया हो उसका उल्लेख करें।

व्याख्या -

संदर्भ - APA स्टाइल का प्रयोग और परिशिष्ट

नोट :

- प्रोजेक्ट सॉफ्ट और प्रिंट (4 प्रति) दोनों प्रारूपों में जमा होगा।
- पेज के दोनों ओर लिखें जो 75 पेज से अधिक नहीं होना चाहिए।
- सेमेस्टर के अंत में प्रोजेक्ट जमा करने की तारीख बताई जाएगी।

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी परियोजना कार्य लिखने एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक शोध की विविध प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक घटनाओं की पहचान एवं उनका वस्तुनिष्ठ विवरण प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी सामाजिक ज्ञान में वृद्धि करने एवं पुराने ज्ञान की परख करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	➢ प्रस्तावना	00	10	05	15	25.00 %
मॉड्यूल 2	➢ विधि	00	12	03	15	25.00 %
मॉड्यूल 3	➢ परिणाम एवं व्याख्या	00	12	03	15	25.00 %
मॉड्यूल 4	➢ लेखन, संदर्भ एवं पुनरीक्षण	00	10	05	15	25.00 %
योग		**00**	**44**	**16**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
लघु शोध प्रबंध पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	वाह्य विशेषज्ञ द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- चुने गए विषय के अनुरूप सहायक साहित्य

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 07	**सामाजिक जनसांख्यिकी**	**4**	**चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	43
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	13
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एमएएसई - 07. सामाजिक जनसांख्यिकी

इकाई 1 : सामाजिक जनांकिकी : अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं विषय क्षेत्र

इकाई 2 : जनसंख्या के सिद्धांत : माल्थस का सिद्धांत, इष्टतम जनसंख्या का सिद्धांत एवं संक्रमण का सिद्धांत

इकाई 3 : जनसंख्या एवं गतिशीलता : विश्व जनसंख्या का अवलोकन, भारतीय जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण दर, भारतीय जनसंख्या प्रजननता, मृत्यु दर एवं प्रवास, भारत में जनसंख्या वृद्धि दर के कारण एवं परिणाम

इकाई 4 : जनसंख्या नीति : भारत में जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी सामाजिक जननांकिकी का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न जनसंख्या सिद्धांतों को जानेंगे।
- विद्यार्थी जनसंख्या एवं संबद्ध गतिशीलता के मुद्दों को जानेंगे।
- विद्यार्थी भारत में जनसंख्या नीति को जानने के साथ इसका मूल्यांकन भी करेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक जनांकिकी: 1. अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं विषय क्षेत्र	08	02	01	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	जनसंख्या के सिद्धांत : 1. माल्थस का सिद्धांत 2. इष्टतम जनसंख्या का सिद्धांत 3. संक्रमण का सिद्धांत	13	04	01	18	30.00 %
मॉड्यूल 3	जनसंख्या एवं गतिशीलता : 1. विश्व जनसंख्या का अवलोकन 2. भारतीय जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण दर 3. भारतीय जनसंख्या प्रजननता, मृत्यु दर एवं प्रवास 4. भारत में जनसंख्या वृद्धि दर के कारण एवं परिणाम	14	04	01	19	31.66 %
मॉड्यूल 4	जनसंख्या नीति : 1. भारत में जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन	08	03	01	12	20.00 %
योग		**43**	**13**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक जनसांख्यिकी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, A. (1991). *Demographic Diversity of India.* Delhi : B. R. Publishing Corporation.
- Chandrasekar, S. (Ed.). (1974). *Infant Mortality, Population Growth and Family Planning in India.* London : George Allen & Unwin Ltd.
- Finkle, J. L., & McIntosh, C. A. (Ed.). (1994). *The New Policies of Population.* New York : The Population Council.
- Hatcher, R. (1997). *The Essentials of Contraceptive Technology.* Baltimore : John Hopkins School of Public Health.
- Premi, M. K. (1983). *An Introduction to Social Demography.* Delhi : Vikas Publishing House.

- Sharma, R. (1997). *Demography and Population Problems.* New Delhi : Atlantic Publishers.
- Srivastava, O. S. (1994). *Demography and Population Studies.* New Delhi : Vikas Publishing House.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
एमएएसई – 08	**आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन**	**2**	**चतुर्थ**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

एमएएसई - 08. आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन

इकाई 1 : जनजातीय आंदोलन

इकाई 2 : पर्यावरण आंदोलन

इकाई 3 : महिला आंदोलन

इकाई 4 : किसान आंदोलन

अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs :

- विद्यार्थी जनजातीय आंदोलन के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी पर्यावरण आंदोलन के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी महिला आंदोलन के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी किसान आंदोलन के बारे में जानेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. जनजातीय आंदोलन	04	02	01	07	23.33 %
मॉड्यूल 2	1. पर्यावरण आंदोलन	04	02	01	07	23.33 %
मॉड्यूल 3	1. महिला आंदोलन	05	02	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. किसान आंदोलन	05	02	01	08	26.66 %
योग		**18**	**08**	**04**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Banks, J. A. (1972). *The Sociology of Social Movements*. London: Macmillan.
- Brass, T. (1995). *New Farmers' Movements in India*. London and Portland or Frank Cass.
- Dhanagare, D. N. (1983). *Peasant Movements in Indian 1920-1950*. New Delhi: Oxford University Press.
- Guha, R. (1989). *The Unquiet Woods: Ecological Change and Peasant Resistance in the Himalaya*. Berkeley: University of California Press.
- Menon, N. (Ed.). (1999). *Gender and Politics in India*. Delhi: Oxford University Press.
- Oommen, T. K. (Ed.). (2010). *Social Movement: Vol. I & II*. New Delhi: Oxford University Press.
- Rao, M. S. A. (1979). *Social Movements and Social Transformation*. Delhi: Macmillan.
- Rao, M. S. A. (1979). *Social Movements in India*. New Delhi: Manohar.
- Singh, K. S. (1982). *Tribal Movements in India*. New Delhi: Manohar.

- Zelliot, E. (1995). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement.* New Delhi: Manohar.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)